EQUIFAX®

sidbi

माइक्रोफ़ाइनेंस पल्स

नौवाँ संस्करण - जुलाई 2021

EQUIFAX® Powering the World with knowledge ™

विश्लेषक संपर्क

इक्विफ़ैक्स

किरण समुद्राला
वाइस प्रेसिडेंट –
एनालिटिक्स
kiran.samudrala@equifax.com
श्रुति जोशी
एवीपी – एनालिटिक्स
shruti.joshi@equifax.com
वंदना पांचाल सीनियर एक्स
एनालिटिक्स
vandana.panchal@equifax.com

सिडबी

कैलाश चंद्र भानू,

मुमप्र - नैका एवं अउ आअ
एवं आं वि
erdav@sidbi.in

रंगदास प्रभावती

उमप्र - नैका एवं अउ आअ
एवं आं वि
erdav@sidbi.in

रमेश कुमार सप्र -
नैका एवं अउ आअ
एवं आं वि
rameshk@sidbi.in

विषयसूची

- कार्यपालक सारांश 04
- संक्षिप्तक्षर एवं शब्दावली 05
- माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यवलोकन 06
- संवितरण के रुझान 09
- उद्योग जोखिम रूपरेखा 12
- भौगोलिक एक्सपोजर 14
- व्यापक राज्य रूपरेखा : कर्नाटक 17
- आकांक्षी जिले 22
- कोविड-19 एवं भौगोलिक रुझान 24

कार्यपालक सारांश

कोविड -19 ने आपूर्ति श्रृंखला और व्यवसाय परिचालन में व्यवधान के कारण सूक्ष्म वित्त क्षेत्र को, विशेष रूप से निम्न-आय वर्ग को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। माइक्रो फ़ाइनेंस पल्स का 9वां संस्करण,31 मार्च, 2021 तक प्रस्तुत डेटा के आधार पर सूक्ष्म वित्त उद्योग की प्रवृत्तियों और प्रगति को शामिल करता है।

31 मार्च 2021 को सूक्ष्म वित्त उद्योग का बही आकार ₹249,277 करोड़ था, इसमें से बैंक और एनबीएफसी-एमएफआई के बकाया संविभाग का 75% से अधिक योगदान हैं। सूक्ष्म वित्त उद्योग ने मार्च 2020 से मार्च 2021 तक 18% वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज़ की, यह बकाया संविभाग के मामले में लचीलापन दिखा रहा है और कोविड-पूर्व स्थिति बहाल हो रही है और वापस आ रही है। ऋणदाता श्रेणियों में, बैंकों ने बाजार हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि के साथ, 36% की उच्चतम वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की है।

सूक्ष्म वित्त उद्योग ने जनवरी-मार्च 21 के दौरान ₹93,100 करोड़ के ऋण संवितरित किए। जनवरी-मार्च 20 से जनवरी-मार्च' 21 तक मात्रा के संदर्भ में ऋण संवितरणों में 17% और मूल्य के संदर्भ में और 26% की वार्षिक वृद्धि देखी गई । बैंकों ने सभी तिमाहियों में संवितरण में सबसे अधिक योगदान दिया। संवितरित किए गए ऋणों की संख्या और अखिल भारतीय औसत टिकट आकार में अक्तूबर-दिसंबर '20 से जनवरी-मार्च' 21 तक 19% की वृद्धि हुई।

जैसा कि उद्योग की वसूली क्षमता में सुधार देखा गया है, सक्रिय ऋण अपचारिता समूहों में दिसंबर 2020 की तुलना में मार्च 2021 में सुधार दिखाई दे रहा है।

पश्चिम बंगाल उच्चतम संविभाग बकाया (पीओएस) के साथ शीर्ष पर है, जिसमें वर्षानुवर्ष वृद्धि 25% है जो कि उद्योग की 18% की वृद्धि से अधिक है। मार्च 2020 में महाराष्ट्र 5वें स्थान से मार्च 2021 में छठे स्थान पर आ गया है। कर्नाटक को छोड़कर, मार्च 2020 की तुलना में मार्च 2021 में सभी शीर्ष राज्यों की अपचारिता में 90+वृद्धि हुई है।

सूक्ष्म वित्त संस्थान में शीर्ष रहे राज्य पर ध्यान केंद्रित करने की हमारी प्रक्रिया को जारी रखते हुए, हम इस संस्करण में कर्नाटक राज्य के लिए व्यापक राज्य प्रोफ़ाइल प्रस्तुत कर हैं। 31 मार्च 2021 को कर्नाटक का बकाया 20330 करोड़ रुपए था और मार्च 2020 से मार्च 2021 तक इसमें 16% की वृद्धि देखी गई। कर्नाटक राज्य में मात्रा के संदर्भ में ऋण स्रोतीकरण में जनवरी-मार्च '20 से जनवरी-मार्च' 21 तक 12% की वर्षानुवर्ष वृद्धि देखी गई। कर्नाटक राज्य के लिए कुल मिलाकर 90+ अपचारिता मार्च 2020 में 2.41% से घटकर मार्च 2021 में 1.73% हो गई है।

कोविड संकट को और उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम के विभिन्न क्षेत्रों पर पड़े प्रभाव को इस संस्करण में शामिल किया गया है, संवितरणों के लिए सबसे अधिक योगदान पूर्वी क्षेत्र से रहा है, जिसमें कुल संवितरित राशि का 45% है। सभी क्षेत्रों में मार्च 2020 से मार्च 2021 तक बैंकों की संवितरित राशि के प्रति बाजार हिस्सेदारी बढ़ गई है। दक्षिण क्षेत्र में जनवरी–मार्च '20 से जनवरी-मार्च' 21 तक वार्षिक टिकट दर में 13% की वर्षानुवर्ष वृद्धि देखी गई।

संक्षिप्ताक्षर एवं शब्दावली

- एटीएस (औसत ऋण आकार) = संवितरित राशि / ऋणों की संख्या /
- डीपीडी = देय तिथि पश्चात बीते हुए दिन /
- वर्तमान बकाया संविभाग (POS)या उधारकर्ता या सक्रिय ऋण = 0 to 179 डीपीडी + नए खाते + चालू खाते
- एमएफआई = माइक्रोफ़ाइनेंस संस्थान
- पीओएस = बकाया संविभाग
- यूटी = संघ शासित क्षेत्र
- आकांक्षी जिले (एडी) - नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जनवरी 2018 में मानव विकास सूचकांक को बढ़ाने के लिए सुधार के लिए पहचान किए गए जिले (वर्तमान में संख्या 117 है) जो स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और मूलभूत बुनियादी ढांचे जैसे समग्र संकेतांकों पर आधारित है।

- 1-179 = 1 to 179 डीपीडी / चालू पीओएस
- 1-29 = 1 to 29 डीपीडी / चालू पीओएस
- 30-59=30to59डीपीडी/चालू पीओएस
- 60-89=60to89डीपीडी/चालू पीओएस
- 90-179 = 90 to 179 डीपीडी / चालू पीओएस
- 30+ अपचारिता = 30-179 डीपीडी / चालू पीओएस
- 90+ अपचारिता = 90-179 डीपीडी / चालू पीओएस

- जनवरी फरवरी मार्च 20 = जनवरी 2020 से मार्च 2020
- अप्रैल मई जून 20 = अप्रैल 2020 से जून 2020
- जुलाई अगस्त सितंबर 20 = जुलाई 2020 से सितंबर 2020
- अक्तूबर नवंबर दिसंबर 20 = अक्तूबर 2020 से दिसंबर 2020
- जनवरी फरवरी मार्च 21 = जनवरी 2021 से मार्च 2021

EQUIFAX®

sidbi

सूक्ष्म वित्त उद्योग पर्यावलोकन

EQUIFAX® Powering the World with knowledge TM

31 मार्च, 2021 तक सूक्ष्म वित्त उद्योग का आशुचित्र

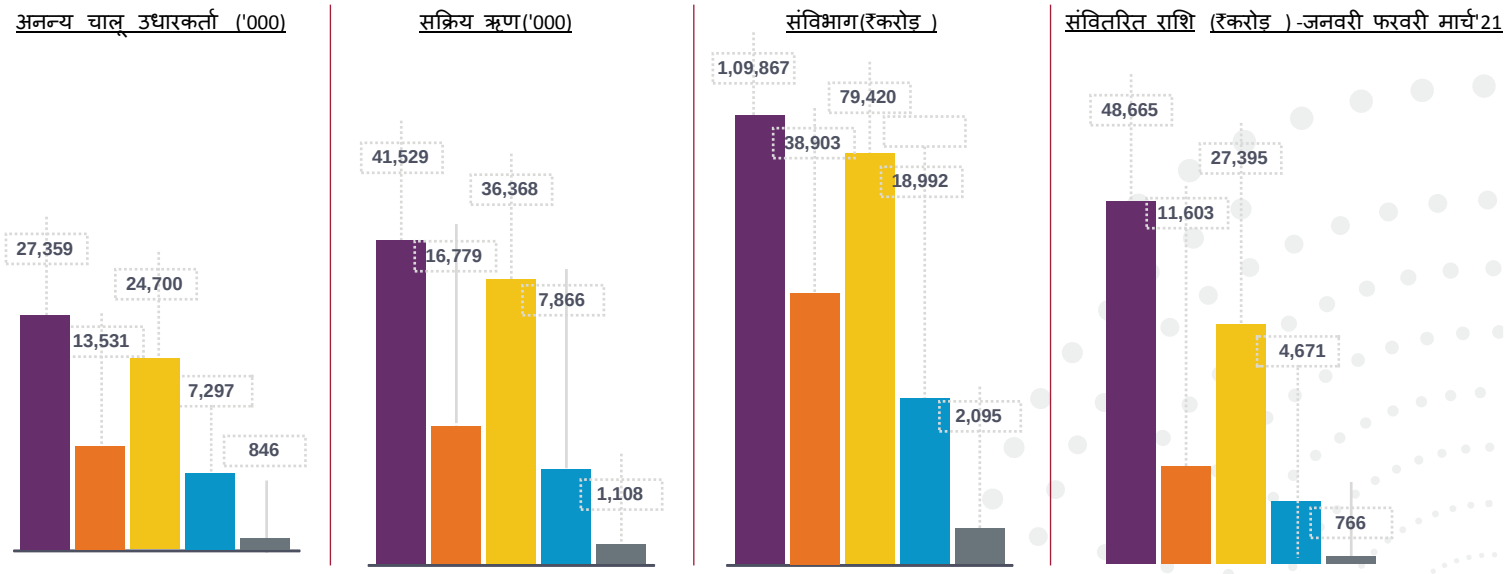

आशुचित्र यथा 31 मार्च, 2021

	बैंक	एसएफबी	एनबीएफसी-एमएफआई	एनबीएफसी	लाभ विहीन एमएफआई	कुल उद्योग
अनन्य चालू उधारकर्ता ('000)	27,359	13,531	24,700	7,297	846	73,733
सक्रिय ऋण ('000)	41,529	16,779	36,368	7,866	1,108	103,650
संविभाग (₹करोड़)	109,867	38,903	79,420	18,992	2,095	249,277
संवितरित राशि (₹करोड़) – जन फरवरी मार्च21	48,665	11,603	27,395	4,671	766	93,100
औसत ऋण आकार (₹) – जन फरवरी मार्च21	43,417	36,993	35,223	41,256	32,037	39,627
30+ अपचारिता (बकाया संविभाग)	10.63%	8.06%	7.15%	10.56%	1.72%	9.04%
90+ अपचारिता (बकाया संविभाग)	4.81%	3.51%	3.33%	5.06%	0.95%	4.12%

- मार्च 2021 में एमएफआई उद्योग का पोर्टफोलियो बकाया ₹249,277 करोड़ था
- कुल बकाया संविभाग के 75% से अधिक का योगदान बैंकों और एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा किया गया है
- जनवरी-मार्च '21 के दौरान बैंकों से 52% और एनबीएफसी-एमएफआई से 29% योगदान के साथ संवितरण राशि ₹93,100 करोड़ रही है /
- एनबीएफसी-एमएफआई, एसएफबी और लाभ उद्देश्य विहीन एमएफआई की 30+ और 90+ अपचरिता उद्योग की अपचरिता से कम है

नोट: एमएफआई घटक में ~6 करोड़ अनन्य चालू उधारकर्ता हैं। ग्राहकों की अनन्यता संख्या में अंतर एसएफबी, बैंकों, एनबीएफसी-एमएफआई,, एनबीएफसी और लाभ उद्देश्य विहीन एमएफआई के साथ कई संबंध रखने वाले ग्राहकों के कारण है।

सूक्ष्म वित्त उद्योग पर्यावलोकन

ऋणदाता प्रकार के अनुसार बाजार हिस्सेदारी के रुझान बाजार हिस्सेदारी के रुझान

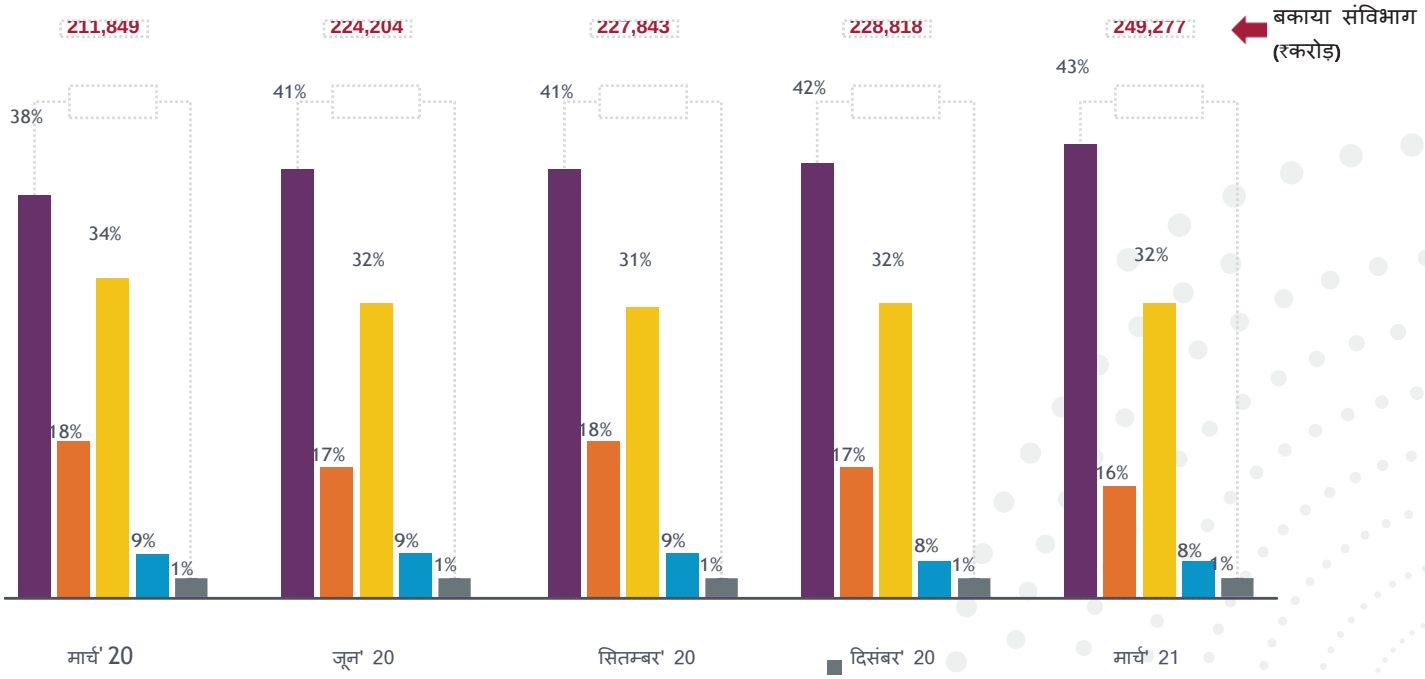

विवरण	मार्च20	जून 20	सितम्बर 20	दिसंबर 20	मार्च 21
बैंक	81,001	91,920	93,409	96,683	109,867
एसएफबी	38,986	39,225	42,682	38,109	38,903
एनबीएफसी-एमएफआई	72,110	71,342	70,142	73,166	79,420
एनबीएफसी	18,073	19,875	19,838	18,988	18,992
लाभ उद्देश्य विहीन एमएफआई	1,679	1,842	1,772	1,872	2,095
कुल उद्योग	211,849	224,204	227,843	228,818	249,277
तिमाही दर तिमाही संवृद्धि दर %	-	6%	2%	0%	9%

- एमएफआई उद्योग कोविड पूर्व स्थिति में वापस लौट रहा है। उद्योग ने दिसंबर 2020 से मार्च 2021 तक 9% तिमाही दर तिमाही वृद्धि देखी और मार्च 2020 से मार्च 2021 तक 18% वर्षानुवर्ष वृद्धि देखी गई
- ऋणदाता श्रेणियों में, बैंकों ने बाजार हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि के साथ, 36% की उच्चतम वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की है
- मार्च 2020 से मार्च 2021 तक एनबीएफसी-एमएफआई और एसएफबी की बाजार हिस्सेदारी में लगभग 2% की गिरावट आई है /

EQUIFAX®

sidbi

संवितरण के रुझान

संस्थानवार संवितरण रुझान

उधारकर्तावार बाजार हिस्सेदारी के रुझान

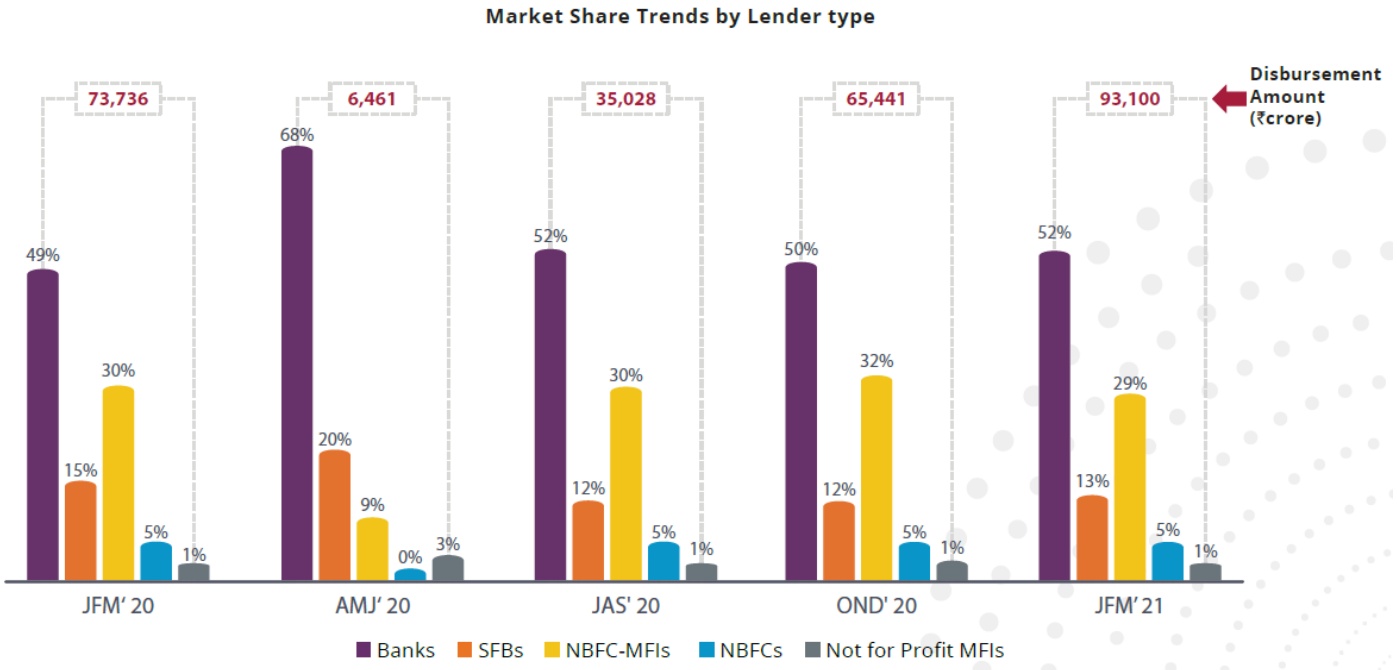

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

उधारकर्ता का प्रकार	जन-मार्च 20	अप्रैल-जून 20	जुलाई-सितंबर 20	अक्तूबर-दिसंबर 20	जनवरी-मार्च 21
बैंक	83	14	47	102	112
एसएफबी	31	5	12	20	31
एनबीएफसी-एमएफआई	73	2	33	65	78
एनबीएफसी	11	1	5	8	11
लाभ उद्देश्य विहीन एमएफआई	3	1	2	2	3
कुल उद्योग	201	23	99	197	235

- जनवरी-मार्च '21 के दौरान संवितरण ₹93,100 करोड़ रहा जिसमें जनवरी-मार्च 21 में 26% की वर्षानुवर्ष वृद्धि हुई'
- जनवरी-मार्च 20 से बैंकों ने सभी तिमाहियों के संवितरण में उच्चतम योगदान दिया
- जनवरी-मार्च 20 से जनवरी-मार्च 21 तक ऋण स्रोतीकरण 17% बढ़ा है/

बैंकों द्वारा मात्रा के संदर्भ में ऋण संवितरणों में जनवरी-मार्च 20 से जनवरी-मार्च 21 तक 35% की वृद्धि हुई

उद्योग ऋण आकार रुझान

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर %

ऋण आकार	जनवरी-मार्च20	अप्रैल-जून 20	जुलाई-सितंबर 20	अक्तू-दिसं20	जनवरी-मार्च 21	
0K-10K	9	2	4	34	19	111%
10K-20K	12	10	16	20	19	58%
20K-30K	46	2	18	33	39	-15%
30K-40K	63	3	24	44	59	-6%
40K-50K	33	2	18	29	38	15%
50K-60K	19	2	10	18	28	47%
60K से अधिक	19	2	9	19	33	74%
Total	201	23	99	197	235	17%
तिमाही दर तिमाही ऋण संवितरण संवृद्धि दर %	-	-89%	330%	99%	19%	-
समग्र भारत औसत ऋण आकार	36,723	28,577	35,519	33,190	39,627	-
तिमाही दर तिमाही औसत ऋण आकार संवृद्धि दर %	-	-22%	24%	-7%	19%	-

- जनवरी-मार्च 21 के दौरान 20k से 40k ऋण आकार श्रेणी में 98 लाख ऋण जारी किए गए, जो कि जारी किए गए कुल ऋणों का 42% है। 0k-10k
- ऋण आकार श्रेणी में वर्षानुवर्ष 111% की उच्चतम वृद्धि देखी गई /
- ऋण संवितरण और अखिल भारतीय औसत ऋण आकार में अक्तूबर-दिसंबर20 से जनवरी-मार्च 21 तक 19% की वृद्धि हुई

EQUIFAX®

sidbi

उद्योग जोखिम रूपरेखा

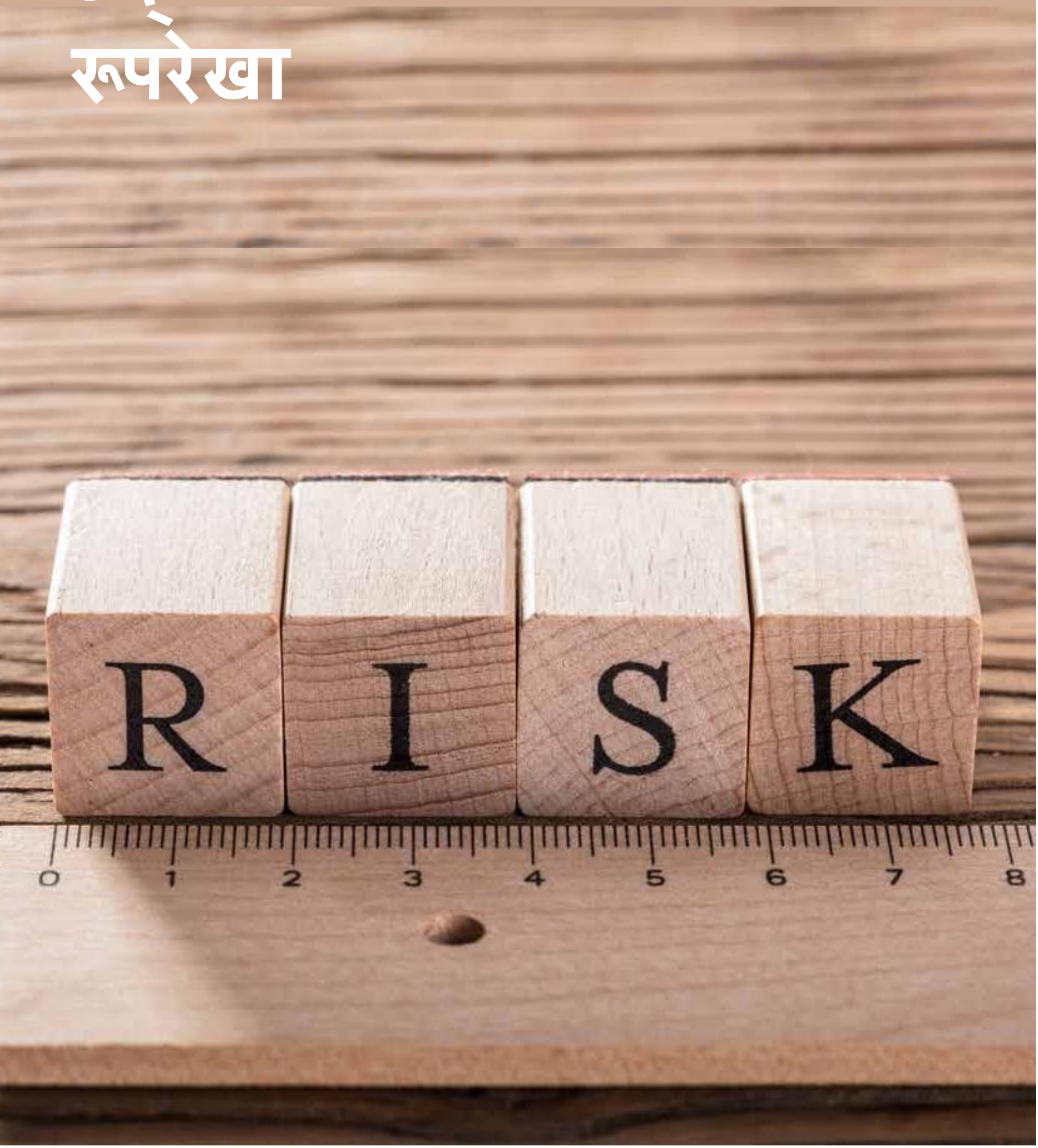

अपचारिता रुझान

देय तिथि के पश्चात दिनों के अनुसार अपचारिता

Delinquency by Days Past Due

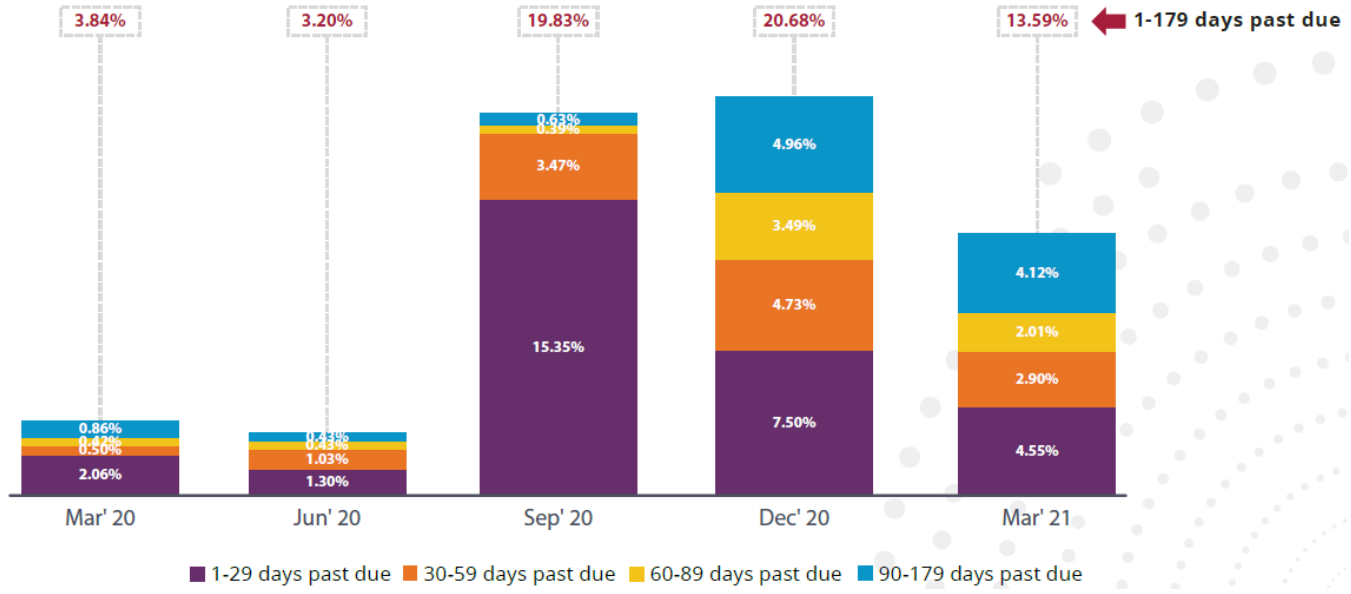

देय तिथि के पश्चात दिनों के अनुसार अपचारिता

रिपोर्टिंग तिमाही	1-29 देय तिथि के पश्चात हुए दिन	30-59 देय तिथि के पश्चात हुए दिन	60-89 देय तिथि के पश्चात हुए दिन	90-179 देय तिथि के पश्चात हुए दिन	1-179 देय तिथि के पश्चात हुए दिन
मार्च 20	2.06%	0.50%	0.42%	0.86%	3.84%
जून 20	1.30%	1.03%	0.43%	0.43%	3.20%
सितंबर 20	15.35%	3.47%	0.39%	0.63%	19.83%
दिसंबर 20	7.50%	4.73%	3.49%	4.96%	20.68%
मार्च 21	4.55%	2.90%	2.01%	4.12%	13.59%

- मार्च 2021 में 1-179 दिनों की देय पश्चात अपचारिता 20.68% से घटकर दिसंबर 2020 में 13.59% हो गई
- दिसंबर 2020 की तुलना में 1-29 दिनों की देय पश्चात अपचारिता समूह में 3% की गिरावट आई है
- 60-89 दिनों की देय पश्चात अपचारिता समूह में मार्च 2021 में सबसे कम अपचारिता देखी गई है

नोट : वर्तमान बकाया संविभाग के आधार पर अपचारिता का परिकलन किया गया

EQUIFAX®

sidbi

भौगोलिक एक्सपोजर

10 शीर्ष राज्यों में संविभाग के रुझान

10 शीर्ष राज्य	मार्च 20 बकाया संविभाग (करोड़)	श्रेणी	मार्च 21 बकाया संविभाग (`करोड़)	श्रेणी	वर्षानुवर्ष संवृद्धि %
पश्चिम बंगाल	29,858	1	37,201	1	25%
तमिलनाडु	27,077	2	31,248	2	15%
बिहार	25,427	3	28,997	3	14%
कर्नाटक	17,594	4	20,330	4	16%
महाराष्ट्र	15,352	5	17,224	6	12%
उत्तर प्रदेश	14,478	6	18,011	5	24%
ओड़ीशा	12,489	7	14,178	8	14%
मध्य प्रदेश	12,354	8	15,006	7	21%
असम	11,025	9	10,498	10	-5%
राजस्थान	8,590	10	11,085	9	29%
10 सर्वोच्च राज्य	174,244	-	203,778	-	17%
अन्य	37,605	-	45,499	-	21%
उद्योग	211,849	-	249,277	-	18%

- मार्च 2020 और मार्च 2021 में पीओएस के लिए 80% से अधिक योगदान शीर्ष 10 राज्यों द्वारा किया गया है।
- पश्चिम बंगाल 25% की वर्षानुवर्ष वृद्धि के साथ उच्चतम वर्तमान बकाया संविभाग के साथ शीर्ष पर है जो कि 18% की उद्योग वृद्धिदर से अधिक है।
- महाराष्ट्र मार्च 2020 के 5वें स्थान से मार्च 2021 में छठे स्थान पर आ गया है।

नोट : शीर्ष 10 राज्यों का चयन मार्च 2020 को उनके बकाया संविभाग के आधार पर किया गया है ।

Ranks assigned basis POS

शीर्ष 10 राज्य 90+ अपचारिता रुझान

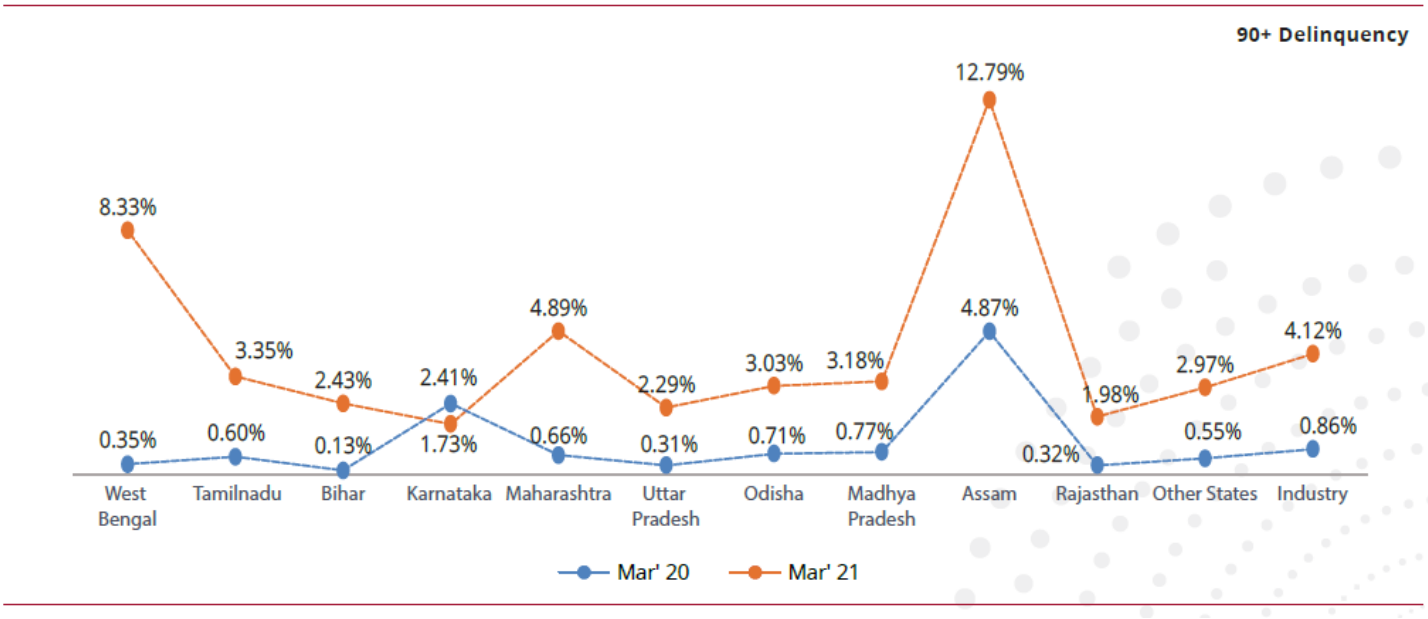

- मार्च 2021 तक, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र की 90+ अपचारिता उद्योग की तुलना में अधिक है, कर्नाटक को छोड़कर, मार्च 2020 की तुलना में
- मार्च 2021 में सभी शीर्ष राज्यों की 90+ अपचारिता में वृद्धि हुई है।

नोट: * शीर्ष 10 राज्यों का चयन मार्च 2020 के पीओएस के आधार पर है।

Delinquencies calculated basis POS.

EQUIFAX®

sidbi

कर्नाटक राज्य का व्यापक प्रोफाइल

कर्नाटक राज्य परिदृश्य

सक्रीय ऋण ('000)

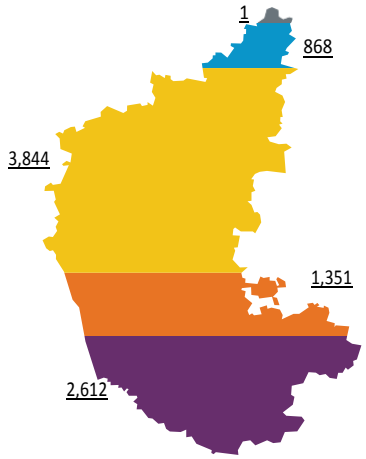

संविभाग (₹करोड़)

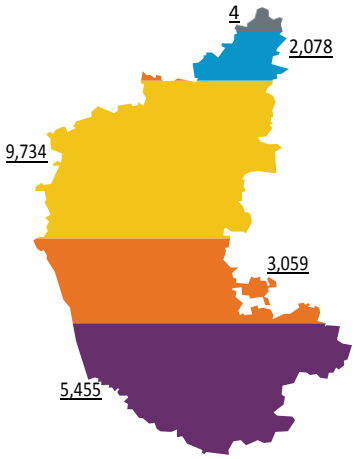

संवितरित राशि (₹करोड़) - जेएफएम'21

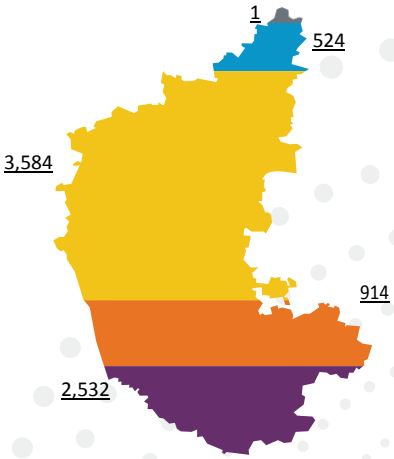

बैंक एसएफबी एनबीएफसी-एमएफआई एनबीएफसी लाभ विहीन एमएफआई

कर्नाटक 31 मार्च, 2021 को	बैंक	एसएफबी	एनबीएफसी-एमएफआई	एनबीएफसी लाभ विहीन एमएफआई	कुल उद्योग
सक्रीय ऋण ('000)	2,612	1,351	3,844	868	1	8,676
बकाया संविभाग (₹करोड़)	5,455	3,059	9,734	2,078	4	20,330
बकाया संविभाग में बाज़ार का हिस्सा	27%	15%	48%	10%	0%	-
संवितरित राशि (₹करोड़)-जेएमए'21	2,532	914	3,584	524	1	7,555
औसत टिकिट आकार (₹) -जीएफएम'21	33,933	37,389	38,315	41,603	44,856	36,814
30+ अपचारिता (पीओएस)	3.48%	5.71%	3.02%	6.29%	1.77%	3.88%
90+ अपचारिता (पीओएस)	0.87%	2.71%	1.72%	2.62%	0.49%	1.73%

- 31 मार्च 2021 को कर्नाटक का बकाया पोर्टफोलियो ₹20,330 करोड़ था
- एनबीएफसी-एमएफआई के पास पोर्टफोलियो बकाया में सबसे अधिक 48% बाजार हिस्सेदारी है जेएफएम '21 के दौरान कर्नाटक में ₹7,555 करोड़ रुपये के ऋण संवितरित किए गए
- एनबीएफसी, एनबीएफसी-एमएफआई, एसएफबी और लाभ के लिए एमएफआई नहीं का एटीएस कर्नाटक बैंकों के एटीएस से अधिक है और लाभ के लिए एमएफआई नहीं की कर्नाटक में 90+ अपचारिता 1% से कम है

कर्नाटक संवितरण रुझान

संवितरित ऋणों की संख्या (000 में)

टिकिट आकार	जेएफएम' 20	एएमजे' 20	जेएएस' 20	ओएनडी' 20	जेएफएम' 21
0K-10K	253	21	94	232	185
10k-20k	231	94	188	159	193
20k-30k	375	10	137	267	347
30k-40k	480	16	200	398	496
40k-50k	272	9	152	242	326
50k-60k	135	6	82	173	226
60k Plus	83	4	98	236	278
कुल	1,829	160	951	1,707	2,051

- कर्नाटक राज्य में ऋण स्रोतीकरण में जेएफएम '20 से जेएफएम' 21' तक 12% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि देखी गई
- एएमजे'20 को छोड़कर, सभी तिमाहियों में 30k-40k टिकट आकार श्रेणी में सबसे अधिक ऋण वितरित किए गए हैं

कर्नाटक संविभाग रुझान

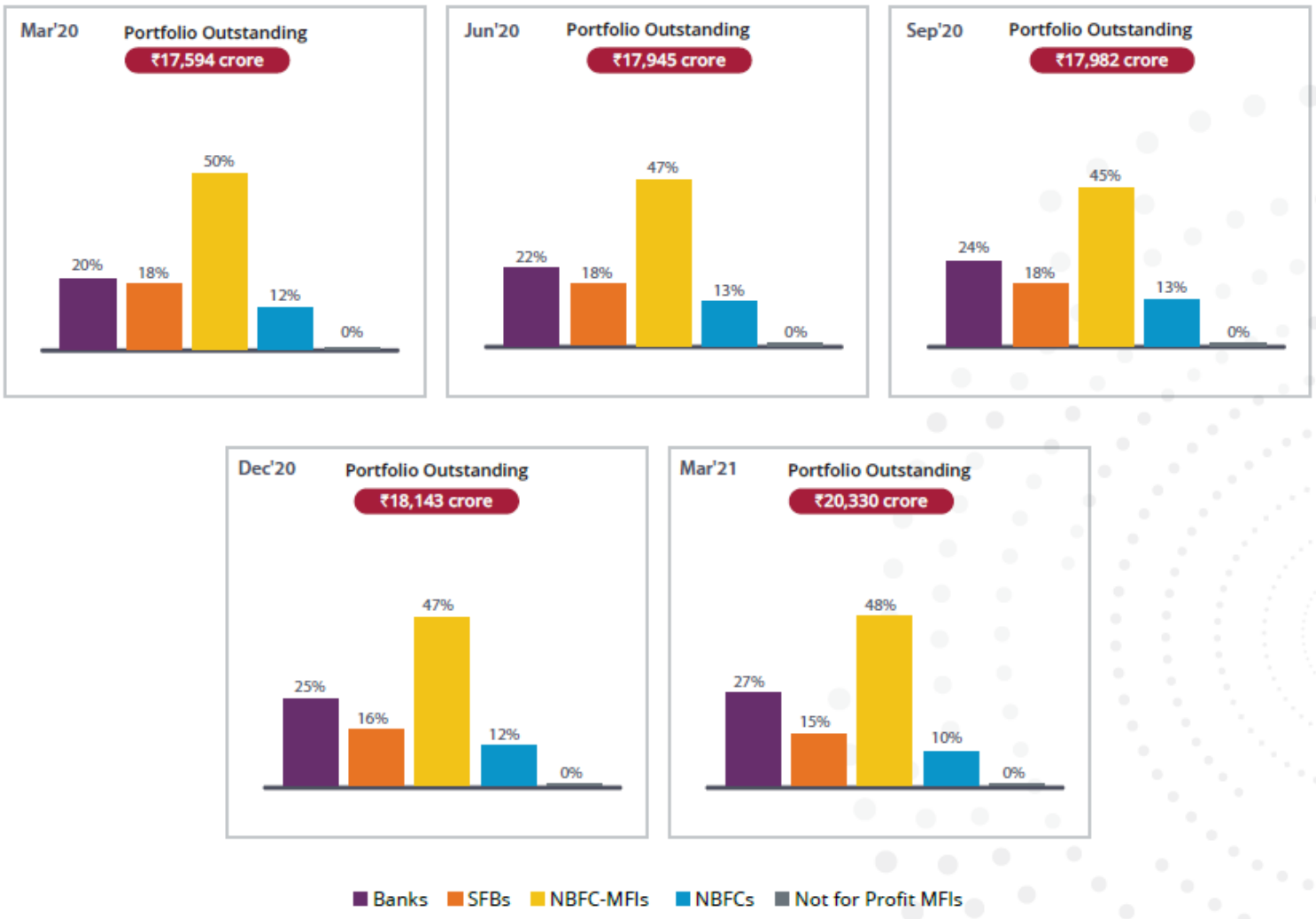

- मार्च 2020 से मार्च 2021 तक कर्नाटक के बकाया संविभाग में 16% की वृद्धि हुई
- सभी तिमाहियों में बकाया संविभाग के लिए उच्चतम बाजार हिस्सेदारी एनबीएफसी-एमएफआई की है, जिसके बाद बैंकों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही है। यह मार्च 2020 में 20% से बढ़कर मार्च 2021 में 27% हो गया।

कर्नाटक
अपचारिता रुझान

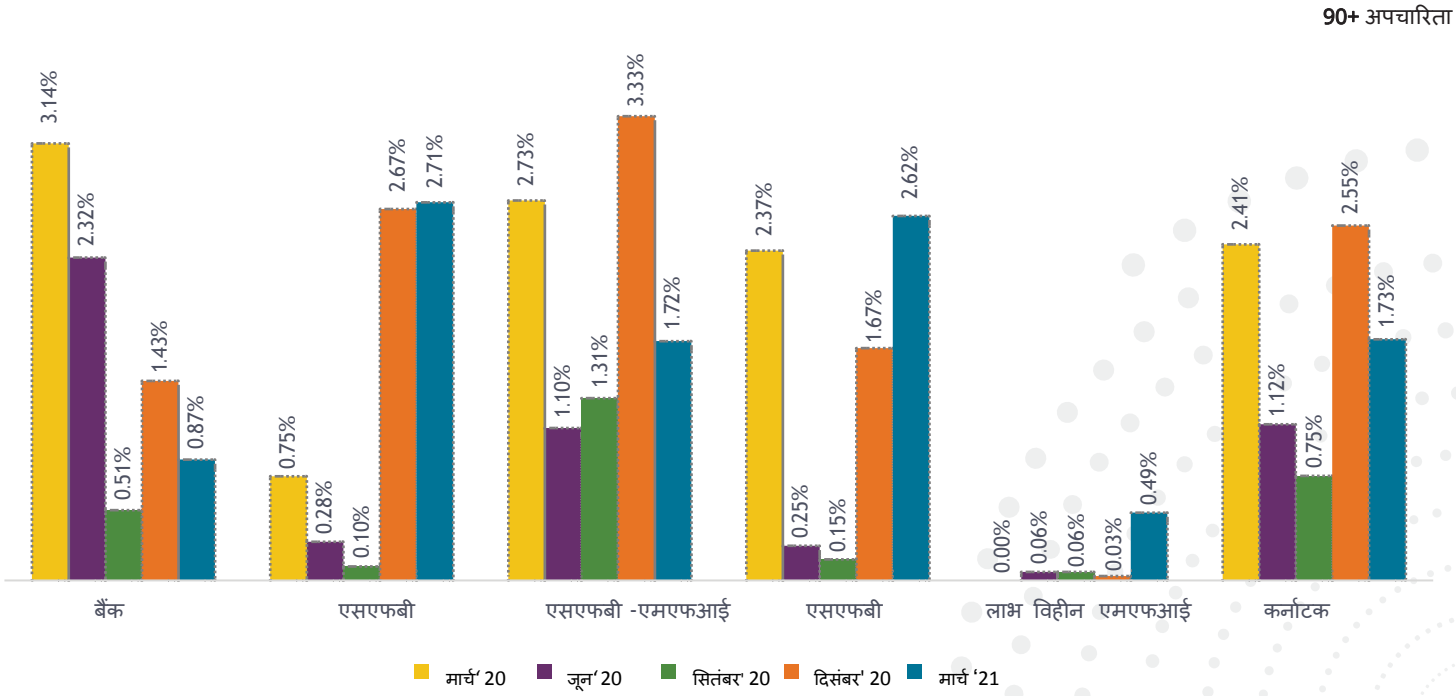

मार्च 2020 की तुलना में मार्च 2021 में कर्नाटक के कुल 90+ अपचारिता में सुधार हुआ है। मार्च 2020 में 2.41% से यह घटकर मार्च 2021 में 1.73% हो गया

- बैंकों के लिए 90+ अपचारिता मार्च 2020 में 3.14% से घट कर मार्च 2021 में यह 0.87% हो गया

नोट : अपचारिता पीओएस के आधार पर गणना की गई है।

EQUIFAX®

sidbi

आकांक्षी ज़िले

EQUIFAX® Powering the World with knowledge ™

आकांक्षी जिले

मार्च 2021 पर्यावालोकन

संविभाग (₹ करोड)

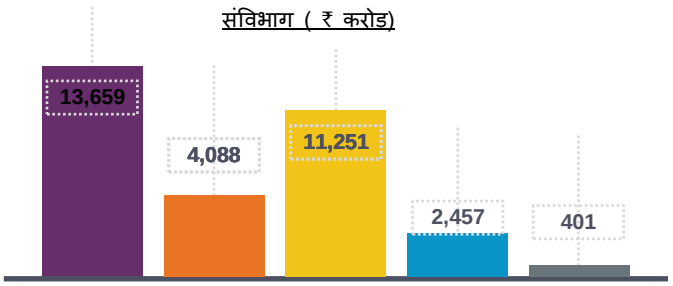

संवितरित राशि (₹करोड) अप्रैल 20 से मार्च 21

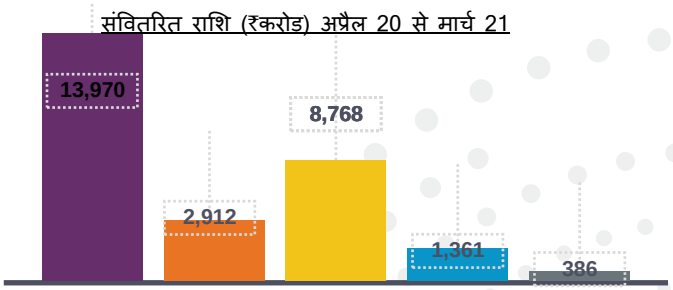

30+ और 90+पीओएस अपचारिता उधारदाता वीआरजी वार

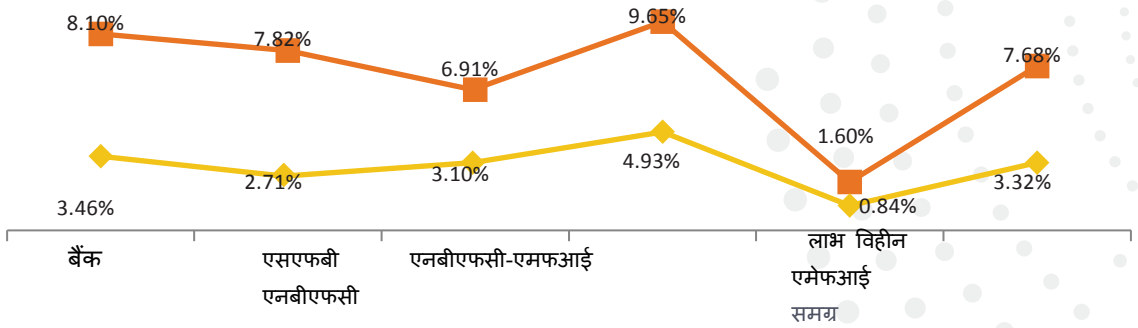

आकांक्षी जिलों की संवृद्धि विवरण	दिसंबर 2017	मार्च 2021	संवृद्धि%
सक्रीय ग्राहक पैठ ('000)	4,155	8,544	106%
संवितरण राशि (₹करोड़)	14,374 *	27,397 **	91%
सक्रीय ऋण Active Loans ('000)	6,925	13,681	98%
बकाया संविभाग (₹करोड़)	11,175	31,856	185%
30+ अपचारिता	1.54%	7.68%	-
90+ अपचारिता	0.75%	3.32%	-

- यथा 31 मार्च 2021को आकांक्षी जिलों का बकाया संविभाग ₹31,856 करोड़ है, जिसमें बैंकों की हिस्सेदारी 43% है और गैर बैंकिंग वित्तीय कपनियों - अल्पवित्त संस्था का हिस्सा 35% है।

एनबीएफसी के 30+ और 90+ उच्चतर अपचार हैं तत्पश्चात बैंकों का संविभाग बकाया में सबसे अधिक 185% की वृद्धि हुई है और दिसंबर 2017 से मार्च 2021 तक संवितरण राशि में 91% की वृद्धि है

EQUIFAX®

sidbi

कोविड-19 एवं जीईओ रुझान

EQUIFAX® Powering the World with knowledge ™

क्षेत्रवार बाजार का हिस्सा

सूक्ष्म वित्त क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए, ऋणदाताओं द्वारा बाजार हिस्सेदारी और विभिन्न क्षेत्रों में औसत राशि की मात्रा की प्रवृतियों के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में संवितरण प्रवृत्तियों का विश्लेषण किया गया था। ऋणदाताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के आधार पर क्षेत्रों को परिभाषित किया गया है। जनवरी फरवरी मार्च '20 को पूर्व कोविड अवधि के रूप में देखते हुए आंकड़ों की वर्ष-दर-वर्ष आधार पर तुलना की गई है.

क्षेत्रवार बाजार के हिस्से के आधार पर संवितरित राशि

जनवरी, फरवरी मार्च ' 20

संवितरित राशि ₹**73,736** करोड़

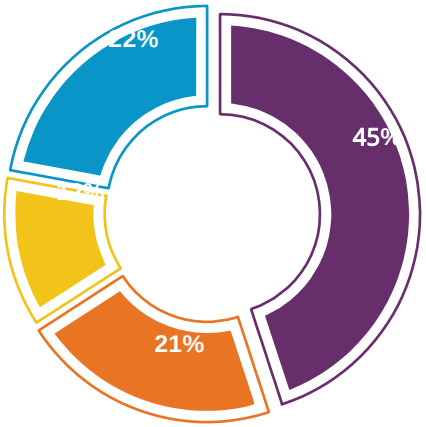

जनवरी, फरवरी मार्च **' 21**

संवितरित राशि ₹**93,100** करोड़

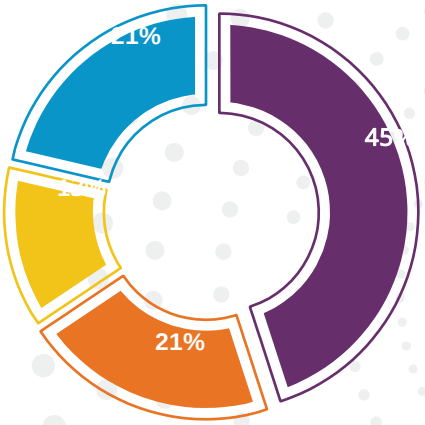

पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण

- संवितरित राशि में सबसे अधिक योगदान पूर्वी क्षेत्र से है जो कुल संवितरित राशि का लगभग 45% है
- क्षेत्रवार बाजार हिस्सेदारी की समग्र प्रवृति जनवरी फरवरी मार्च '20 के समरूप है, उत्तर क्षेत्र में 1% की वृद्धि के साथ दक्षिण क्षेत्र में 1% की गिरावट है।

नोट: पूर्वी क्षेत्र - अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल।
पश्चिम क्षेत्र - दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान।.
उत्तर क्षेत्र - चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड।
दक्षिण क्षेत्र - अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, पांडिचेरी, तमिलनाडु और तेलंगाना।.

क्षेत्र एवं उधारकर्तावार बाजार का हिस्सा

क्षेत्र एवं उधारकर्तावार बाजार के हिस्से के आधार पर संवितरित राशि

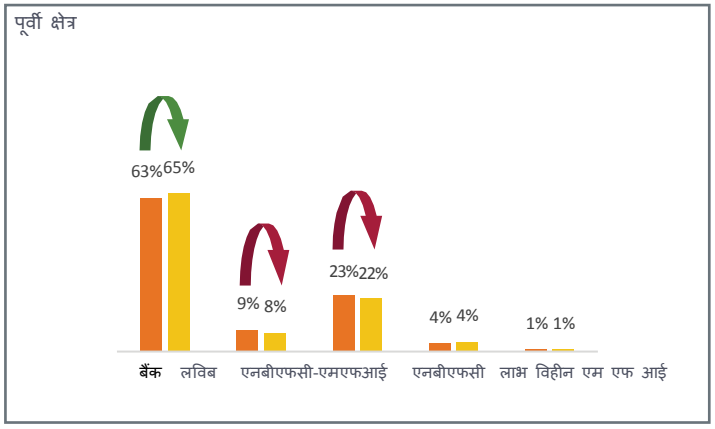

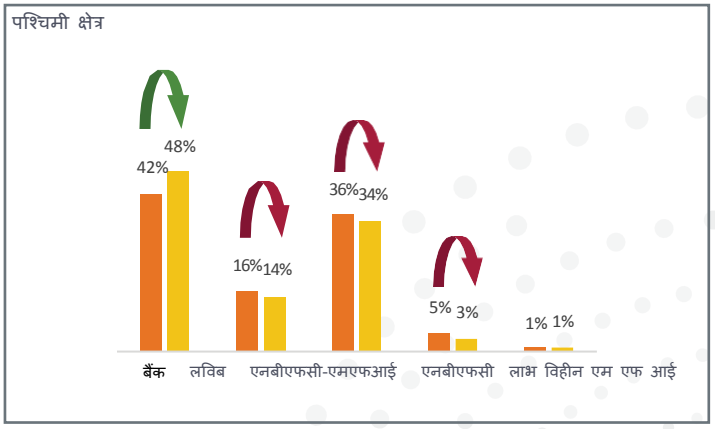

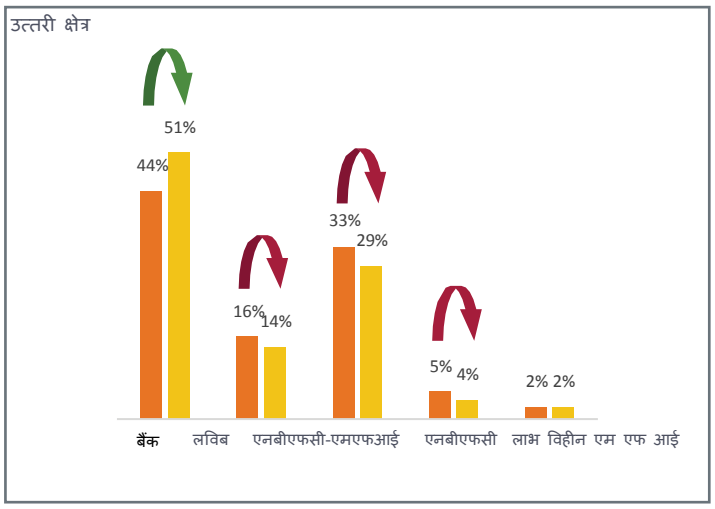

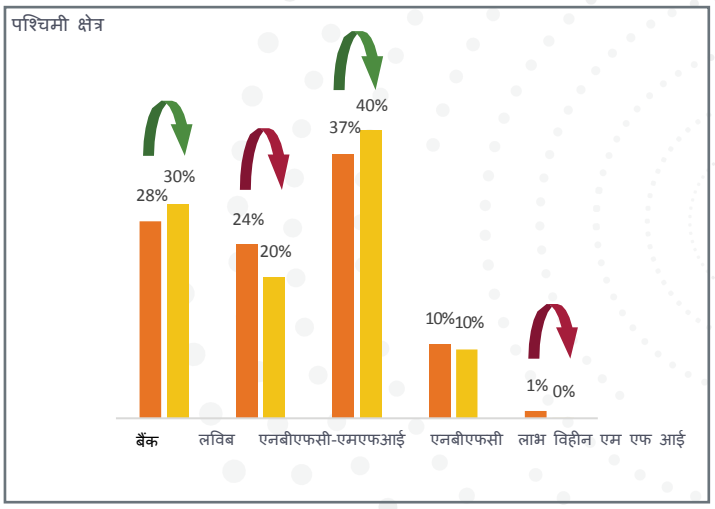

जनवरी फरवरी मार्च '20 जनवरी फरवरी मार्च '21

- मार्च 2020 से मार्च 2021 तक सभी क्षेत्रों में बैंकों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी है, उत्तर क्षेत्र में 7% की उच्चतम वृद्धि के साथ, बैंकों के अलावा, केवल एनबीएफसी-एमएफआई ही बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि दर्ज करने में
- सक्षम हैं, वह भी केवल दक्षिण क्षेत्र में

क्षेत्रवार औसत राशि की प्रवृत्तियाँ

क्षेत्रवार औसत राशि की मात्रा की प्रवत्तियाँ

जनवरी फरवरी मार्च '20 से जनवरी फरवरी मार्च ' 21 तक 13% की उच्चतम वर्ष दर वर्ष औसत टिकट आकार में वृद्धि देखी गई. पश्चिम और उत्तर क्षेत्र के औसत टिकट आकार में जनवरी फरवरी मार्च '20 से जनवरी फरवरी मार्च ' 21 तक 9% की वृद्धि हुई है.

सिडबी के बारे में

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक संसद के एक अधिनियम के तहत वर्ष 1990 में स्थापित किया गया है। सिडबी को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई क्षेत्र) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के तीन कार्यों को क्रियान्वित करने के लिए प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य करने और समान गतिविधियों में संलग्न विभिन्न संस्थानों के कार्यों का समन्वय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। इन वर्षों में, अपने विभिन्न वित्तीय और विकासात्मक उपायों के माध्यम से, बैंक ने समाज के विभिन्न स्तरों के लोगों के जीवन को निकट से प्रभावित किया है, पूरे एमएसएमई वर्णक्रम के उद्यमों को प्रभावित किया है और एमएसएमई पारितंत्र के कई विश्वसनीय संस्थाओं के साथ सम्बद्धता रखा है।

विज़न 2.0 के तहत, सिडबी ने एमएसएमई क्षेत्र की ज्ञानपरक विसंगतियों के समाधान, एमएसएमई इकाइयों और क्रिसीडेक्स के स्वास्थ्य अनुवीक्षण, एमएसई संवेदनाओं और आकांक्षाओं को मापने, उद्योग की लोकप्रियता, उद्योग क्षेत्रों की और फिनटेक पल्स के एक व्यापक रिपोर्ट के लिए फिनटेक ऋणदात्री समूहों के ऋण आंकड़ों के बारे में अन्तर्दृष्टि के लिए माइक्रोफाइनेंस पल्स के अलावा एमएसएमई पल्स जैसे पहल करके विभिन्न अग्रणी नेतृत्व किए हैं।

अल्पवित्त क्षेत्र में सिडबी

सिडबी ने अल्पवित्त आंदोलन का समर्थन करके समावेशी वित्त के ध्येय को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। अल्पवित्त के तहत, बैंक ने यथा मार्च 2020 तक 100 से अधिक एमएफआई को संचयी रूप से `19,871 करोड़ के ऋण मंजूर किए हैं। अल्पवित्त इकाइयों को ऋण और ईक्विटी समर्थन के साथ इन संस्थाओं की क्षमता निर्माण समर्थन और अनुपालन मूल्यांकन के साधन आदि के माध्यम के समर्थन से नैगम अभिशासन की संस्कृति को सुव्यस्थित रूप से सुग्राही बनाते हुए पूरक का कार्य कर रहा है। अल्पवित्त उद्योग के कमजोर शुरुआत से पूर्ण उद्योग समूह तक पहुंचाने के लिए हैंडहोल्डिंग के अलावा, हमारी 8 सहयोगी अल्पवित्त संस्थाएं स्माल वित्त बैंक / विश्वव्यापी बैंक में परिवर्तित हो गई हैं। अल्पवित्त ऋण प्रदायगी के तहत परंपरा से हटकर एक पहल यह है कि बाजार दरों से काफी कम ब्याज दरों पर छोटे ऋण सिडबी (साझेदारी व्यवस्था के माध्यम से) से सीधे उपलब्ध कराना है। बैंक द्वारा साझेदारी मॉडल के तहत प्रयास नामक इस पहल के तहत, बाजार दरों की तुलना में कम ब्याज दरों पर पिरामिड के सबसे निचले स्तर के सूक्ष्म उधारकर्ताओं को `0.50 लाख से` 5 लाख के छोटे टिकट के ऋणों का विस्तार किया गया है।

इक्विफैक्स के बारे में

इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्वसनीय अद्वितीय आंकड़ें, नवोन्मेषी विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और उद्योग विशिष्टता का प्रयोग करके ज्ञान को अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करके विश्व भर के शक्तिशाली संगठनों और व्यक्तियों को व्यापारगत और व्यक्तिगत अधिक सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद करता है।

इक्विफैक्स का मुख्यालय अटलांटा, जार्जिया में है और उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों में इसका निवेश है या/ यह अपना परिचालन करता है। यह स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एस एंड पी) 500® इंडेक्स का सदस्य है और यह EFX चिह्न के तहत इसके सामान्य स्टॉक का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) से करता है। दुनिया भर में इक्विफैक्स के 11,000 कर्मचारी हैं। ऋण उद्योग में 120 वर्षों से अधिक की वैश्विक विरासत के साथ, 2010 में, इक्विफैक्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति स्थापित की और भारतीय रिजर्व (आरबीआई) द्वारा इसे सीआईसी के रूप में संचालित करने के लिए लाइसेंस दिया गया था। पिछले 9 वर्षों में, क्रेडिट ब्यूरो के सदस्यों की सख्या बैंकों, एनबीफसी, एमएफआई और बीमाकर्ताओं सहित 4000+ सदस्यों तक बढ़ गई है। ये सदस्य लाखों भारतीय उपभोक्ताओं की जनसांख्यिकीय और पुनर्भुगतान संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। 2014 में, इक्विफेक्स ने एक एनालिटिक्स फर्म के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में अपने पदछाप को पुन: बढ़ाया है । भारत में इक्विफैक्स एनालिटिक्स प्रा. लिमिटेड इक्विफैक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली एनालिटिक्स इकाई है, जो कारोबार के प्रदर्शन और उपभोक्ताओं के जीवन दोनों को समृद्ध करने वाले अद्वितीय अनुकूलित विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान करती है।

अस्वीकरण

माइक्रोफाइनेंस पल्स (रिपोर्ट) इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (इक्विफैक्स) द्वारा तैयार किया गया है। रिपोर्ट का उपयोग करके उपयोगकर्ता स्वीकार करता है कि इस तरह का उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट सितंबर 2020 तक इक्विफैक्स के सदस्य अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के संकलन पर आधारित है। यद्यपि रिपोर्ट तैयार करने में इक्विफैक्स उचित ध्यान रखता करता है, परंतु अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत गलत या अपर्याप्त जानकारी के कारण सटीकता, त्रुटियों और / या चूक के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विफैक्स किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या इसकी उपयुक्तता में सूचना की पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही इक्विफैक्स रिपोर्ट के माध्यम से किसी भी पहुंच या विश्वसनीयता के लिए उत्तरदायी है और इक्विफैक्स स्पष्ट रूप से सभी दायित्वों से इंकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद की अस्वीकृति / या स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही इक्विफैक्स द्वारा (i) ऋण देने और नहीं देने के लिए कोई सिफारिश या (ii) संबंधित व्यक्ति के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार शुरू करने या नहीं करने से संबन्धित है। रिपोर्ट में निहित जानकारी कोई परामर्श नहीं है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विवेकपूर्ण विचार कर सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का उपयोग ऋण सूचना कंपनियां (विनियमावली) अधिनियम 2005, ऋण सूचना कंपनी विनियमवाली, 2006, ऋण सूचना कंपनियां नियम, 2006 के प्रावधानों के तहत संचालित है। रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा बिना पूर्व अनुमोदन के प्रतिलिपिबद्ध, प्रकाशित या परिचालित नहीं किया जाना चाहिए।

संपर्क विवरण

इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,

इकाई संख्या 931, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नंबर 9,
सोलेटेयर कॉर्पोरेट पार्क, अंधेरी घाटकोपर लिंक रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400093

टोल फ्री नं .: 1800 2093247
ecissupport@equifax.com

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

**Swavalamban Bhavan, Plot No. C-11, 'G' Block,
Bandra Kurla Complex, Bandra (East),
Mumbai - 400 051 Maharashtra**

Toll Free No.: 1800 226753
www.sidbi.in/en

कॉपीराइट © 2021, इक्विफैक्स इंक, अटलांटा, जॉर्जिया। सर्वाधिकार सुरक्षित। इक्विफैक्स इक्विफैक्स इंक का एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है।